

असाधार**ण** EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ३—उप-चण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 567]

नई विल्ली, बुधवार, नवस्वर 2, 1988/कार्तिक 11, 1910

NO. 5671

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 2, 1988/KARTIKA 11, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नायर विमानन तथा पर्यटन मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1988

श्र धिसुचना

का. था. 1008(थ).--19 अक्तूबर, 1988 को वायुद्रत का एफ-27 विमान वी.टी. डी.एम.सी. सिल्चर से गुवाहाटी के लिए उड़ान मंख्या पी.एफ. 704 प्रचालित करते हुए गुवाहाटी के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसके परिणामस्वरूप (4 सदस्यों सहित) विमान में सवार 34 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई।

तथा केन्द्रीय सरकार यह समझती है कि उक्त दुर्घटना की परिस्थितियों की भौपचारिक जांच करना युक्तियुक्त है; और शब, वायुवान नियमावली के नियम 75 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त दुर्घटना की औपचारिक जांच करने के निर्देश देती है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त जांच के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उमेश बैमर्जी को नियुक्त करती है

केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित श्रधिकारियों को :--

- (1) श्री जे.डी. जेजीना,
 - ई-24, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली-110028
 - (2) भीष्टन एन.के. डाबर,
 - निदेशक, इंदिश गोधी राष्ट्रीय उड़ान सकादमी, कुरसतगंज, जिला रायबरेली, उत्तर प्रदेश।
 - (3) श्री बी. चिलप्पा हिन्दुस्तान इंस्टीट्यूट धाफ इंजीनियरिंग टैक्नालोजी, महास ।

उक्त जांच के श्रफसरों के रूप में नियुक्त करती है।

न्यायालय प्रपनी जांच पूरी करने के बाद 31 जनवरी, 1989 तक ग्रानी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत कर देगा। न्यायालय का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

[संबंधा एवी-15013/16/88-एस.एस.वी.]

बी, पट्टनायक, संयक्त स विव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

New Delhi, the 1st November, 1988

NOTIFICATION

S.O. 1008(E). – Whereas, on 19th October, 1988 a Vayudoot F-27 aircraft VI-DMC while operating flight PF-704 from Silchar to Guwahati crashed near Guwahati resulting in the death of 34 persons (including 4 crew members) on board:

And whereas it appears to the Central Government that it is expedient to hold a formal investigation into the circumstances of the said accident.

And now, in exercise of the power conferred by the Rule 75 of the Aircraft Rules, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held.

The Central Government is further pleased to appoint Shri Justice Umesh Banerjee of the Calcutta High Court to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint :

- (i) M_I. J.D. Jejina,E-24, Ma_Sjid Moth,New Delhi-110028
- (ii) Capt. N.K. Dawar, Director, Indira Gandhi Rashtriya Uran Akademi, Fursatganj, Dist. Rai Bareilly, U.P.
- (iii) Mr. V. Chellappa, Hindustan Institute of Engg. Technology, Madras.

to act as assessors to the said investigation.

The Court will complete its inquiry and make it report to the Central Government by 31st January, 1989. The Headquarters of the Court will be at Calcutta.

[No. AV. 15013/16/88-SSV]
V. PATTANAYAK, Jt. Secy.